प्रबन्धकों को निदेश जारी किये हैं, कि उन सब कर्मचारियों को, जिन्हें उनकी योग्यता के आधार पर सरकार द्वारा निर्धारित वेतनमानों के अनुसार वेतन नहीं दिया गया है, भूतलक्षी प्रभाव से उनके वेतन की बकाया राशि का तुरन्त भुगतान किया जाये ; और

(ग) यदि नहीं, तो इस सम्बन्ध में वैकल्पिक उपाय क्या किये गये हैं ?

शिक्षा मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री भागवत झा आजाद) : (क) से (ग) . सूचना एकत्रित की जा रही है तथा सदन के सभा-पटल पर यथा समय रख दी जाएगी ।

Unqualified Persons in C.S.I.R.

9444. SHRI C. DASS :
SHRI SRADHAKAR SUPAKAR :
SHRIMATI TARA SAPRE :

Will the Minister of EDUCATION be pleased to state :

(a) the number of Scientists working in the C. S. I. R. without post-graduate or research qualifications ; and

(b) the number out of them who draw an emolument of Rs. 1000 and above ?

THE MINISTER OF EDUCATION (DR. TRIGUNA SEN) : (a) and (b). Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Jamuna Barrage Bridge Near I.P. Power House, Delhi

9445. SHRI HARDAYAL DEVGUN : Will the Minister of TRANSPORT AND SHIPPING be pleased to state :

(a) the likely date when Jamuna Barrage bridge near I. P. Power House Delhi will be opened to traffic ;

(b) whether the approach roads have been completed ; and

(c) if not, the reasons for the dealy in the completion of approach roads ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF TRANSPORT AND SHIPPING (SHRI BHAKT DARSHAN) : (a) August, 1968.

(b) No, Sir ; but arrangements have been made to construct temporary approach roads so that traffic can use the bridge from August 1968 itself.

(c) Mainly difficulties have been experienced in acquiring some land required for the construction of the approaches due to court injunctions and delay caused by floods during the last monsoons.

सरकारी कर्मचारियों के विरुद्ध जांच

9446. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या गृह-कार्य मंत्री 13 दिसम्बर, 1967 के अतारांकित प्रश्न संख्या 4069 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रत्येक मंत्रालय के कितने राजपत्रित तथा कितने अराजपत्रित अधिकारियों के विरुद्ध केन्द्रीय जांच विभाग के विशेष पुलिस संस्थान द्वारा खुली जांच की गई थी;

(ख) प्रतिरक्षा सेवाओं के 605 कर्मचारियों में कितने गैर-कमीशन प्राप्त और उनमें कितने थल सेना के कितने नौसेना के तथा कितने वायु सेना के थे;

(ग) कितने मामले अभी तक असैनिक न्यायालयों में अनिर्णीत पड़े हैं तथा कितने सैनिक न्यायालयों में; और

(घ) उन राजपत्रित तथा अराजपत्रित कमीशन प्राप्त तथा गैर-कमीशन प्राप्त अधिकारियों की क्रमशः संख्या कितनी है जिनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही करने की विभागों को सलाह दी गई है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मन्त्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) 1965 से नवम्बर, 1967 तक के वर्षों के दौरान केन्द्रीय जांच ब्यूरो के एस० पी० ई० डिवीजन द्वारा लिये गये नये मामलों में ग्रस्त राजपत्रित अधिकारियों का मंत्रालयवार पृथक-पृथक ब्यौरा सभा पटल पर रखे गये विवरण 1 में दिया गया है । [**पुस्तकालय में रख दिया गया । देखिये संख्या** LT-1160/68]